20-11-2020

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना (PM-FME Scheme)

प्रश्न :- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, केन्द्र सरकार द्वारा परावर्तित योजना है, और आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत प्रारंभ की गई है।
2. इस योजना का उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में असंगठित रूप से कार्य कर रहे छोटे उद्यमियों को बढ़ावा देना और इस क्षेत्र में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का निर्माण करना है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) केवल 01 (B) केवल 02
(C) 01 और 02 (D) कोई नहीं

उत्तर :- (C) 01 और 02

भूमिका :- हाल ही में केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के क्षमता निर्माण घटक के लिए मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के साथ ही एक जिला एक उत्पाद योजना के जीआईएस डिजीटल मानचित्र को जारी किया।

परीक्षा उपयोगी बिंदु :-

- प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के क्षमता निर्माण घटक के अंतर्गत मास्टर ट्रेनरों का ऑनलाइन मोड, क्लासरूम लेक्चर, प्रदर्शन और ऑनलाइन पाठ्य सामग्री के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
- चयनित उद्यामियों और समूहों को प्रशिक्षण एवं शोध सहायता प्रदान करने राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता प्रबंधन संस्थान (NIFTEM) और भारतीय खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान (IIFPT) राज्य स्तरी तकनीक संस्थानों के समन्वय से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।
- मास्टर ट्रेनर्स, जिला स्तरीय प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करेगे। इसके बाद जिला स्तरीय प्रशिक्षक हितग्राहियों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। क्षमता निर्माण के तहत दिए जाने वाले प्रशिक्षण का मूल्यांकन और प्रमाणन एफआईसीएसआई द्वारा किया जाएगा।
- प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित योजना है, और आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत प्रारंभ की गई है।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

- इस योजना का उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में असंगठित रूप से कार्य कर रहे छोटे उद्यमियों को बढ़ावा देना और इस क्षेत्र में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का निर्माण करना है।
- इसके साथ की इस क्षेत्र से जुडे कृषक उत्पादक संगठनों, स्वसहाय सहकारी उत्पादकों सहायता भी प्रदान करना है।
- इस योजना के तहत 2020-21 से 2024-25 के मध्य 2 लाख सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को वित्तीय, तकनीकी एवं विपणन सहयोग प्रदान करने के लिए 10 हजार करोड़ रूपए की धनराशि का प्रावधान रखा गया है।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस

प्रश्न :- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :-

1. इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस ने अपनी रिपोर्ट में बताया है, कि कोविड-19 महामारी के कारण विभिन्न देशों की सरकारों एवं कंपनियों ने अपने खर्च में काफी वृद्धि की है, जिससे वैश्विक ऋण में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है।
2. इंस्ट्रीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस की स्थापना 1983 में की गयी थी। इस संस्थान का मुख्यालय वाशिंगटन डी. सी. (यूएसए) में है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) केवल 01 (B) केवल 02
(C) 01 और 02 (D) कोई नहीं

उत्तर :- (C) 01 और 02

भूमिका :- हाल ही में इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस ने अपनी रिपोर्ट Global Debt Monitor : Attack of the debt Tsunami में कहा है, कि वैश्विक ऋण (Global Debt) के इस वर्ष के अंत तक रिकॉर्ड रूप से 277 ट्रिलियन यूएस डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

परीक्षा उपयोगी बिंदु :-

- इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस की स्थापना 1983 में की गयी थी। इस संस्थान का मुख्यालय वांशिगटन डी.सी. में है।
- इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेस की स्थापना 1983 में की गयी थी। इस संस्थान का मुख्यालय वांशिगटन डीसी में है।
- इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि कोविड-19 महामारी के कारण विभिन्न देशों की सरकारों एवं कंपनियो ने अपने खर्च में काफी वृद्धि की है, जिससे वैश्विक ऋण में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

- विकसित देशों की सरकारों ने अपेक्षाकृत अधिक खर्च किया है। इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही तक विकसित देशों का ऋण उनकी जीडीपी की तुलना में 432 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो वर्ष 2019 के अंत तक लगभग 380 प्रतिशत था।
- दूसरी ओर विकासशील या उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही तक ऋण –जीडीपी अनुपात लगभग 250 प्रतिशत है। चीन का यह अनुपात तीसरी तिमाही तक 335 प्रतिशत तक पहुंच गया है।
- विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में लेबनान, चीन मलेशिया और तुर्की ने इस वर्ष में अब तक गैर–वित्तीय क्षेत्र के ऋण अनुपात में काफी वृद्धि हुई है।
- इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में भविष्य में काफी अनिश्चितता है।
- इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस में यह भी बताया गया है, कि विकासशील था उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं की घटती कमाई ने कर्ज के भुगतान को संवेदनशील बना दिया है।
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि " वैश्विक अर्थव्यवस्था में इस साल 4.4 प्रतिशत की गिरावट आयेगी और 2021 में 5.2 प्रतिशत का विस्तार होना का अनुमान है।

विश्व शौचालय दिवस
(World Toilet Day)

प्रश्न :– निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :–

1. प्रत्येक वर्ष 19 नवंबर को विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है।
2. विश्व शौचालय संगठन द्वारा वर्ष 2001 में इस दिवस को मनाने की शुरूआत की गई थी।
3. संयुक्त राष्ट्र के द्वारा 2013 में अधिकारिक तौर पर इसे "विश्व शौचालय दिवस" के रूप में घोषित किया गया।

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) केवल 01 (B) केवल 02
(C) केवल 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर :– (C) उपरोक्त सभी

भूमिका :– हाल ही में भारत सरकार के पेयजल और स्वच्छता विभाग ने 19 नवंबर 2020 को स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु विश्व शौचालय दिवस मनाया गया।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

परीक्षा उपयोगी बिंदु :-

- प्रत्येक वर्ष 19 नवंबर को विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है। संगठन द्वारा वर्ष 2001 में इस दिवस को मनाने की शुरूआत की गई थी।
- यह दिवस वैश्विक स्वच्छता संकट से निपटने हेतु काईवाई को प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र के द्वारा 2013 में आधिकारिक तौर पर इसे " विश्व शौचालय दिवस" के रूप में घोषित किया गया।
- विश्व के सभी लोगों को 2030 तक शौचालय की सुविधा मुहैया करवाना संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है। यह यूएन के सतत विकास लक्ष्यो के लक्ष्यः 6 का हिस्सा है।
- सतत विकास के लक्ष्य : 6 में विश्व के सभी लोगों को शुद्ध पेयजल और स्वच्छता की सुविधा उपलब्ध कराना शामिल है।
- वर्ष 2020 के विश्व शौचालय दिवस की थीम सतत स्वच्छता और जलवायु परिवर्तन है।
- इस वर्ष की यह थीम रखने का मकसद जलवायु परिवर्तन के कारण स्वच्छता प्रणालियों पर आसन्न खतरे को रेखांकित करना है।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS